प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

सात–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने कचरा प्रबंधन के तरीके सीखे

पन्तनगर। 29 अप्रैल 2025। विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की पोस्ट डॉक्टरल फेलो डा. पूनम एवं पर्यवेक्षक डा. छाया शुक्ला ने सात–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन विद्यार्थियों को ठोस कचरा प्रबंधन के विषय में जागरूक किया। इस सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को कचरे के प्रभावों, उसके समुचित प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण के उपायों के प्रति संवेदनशील बनाना है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सीखा कि किस प्रकार दैनिक जीवन में उत्पन्न होने वाले ठोस कचरे की मात्रा को कम किया जा सकता है और कैसे छोटे–छोटे प्रयासों से पर्यावरण को सुरक्षित रखने में सहयोग दिया जा सकता है। विषय विशेषज्ञ डा. संध्या रानी, सह प्राध्यापक, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय ने बताया कि विद्यार्थी किस प्रकार अपने विद्यालय और घर में कचरा कम करने में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने स्वच्छता, कूड़ा वर्गीकरण, और प्लास्टिक के विकल्पों के उपयोग पर बल दिया। साथ ही, विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे स्वयं जागरूक बनें और दूसरों को भी प्रेरित करें। डा. मानसी, सह प्राध्यापक, पशुचिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय ने छात्रों को ठोस कचरा प्रबंधन की मूलभूत जानकारी दी। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि हमें कचरे का कम से कम उपयोग करना चाहिए और पुनः उपयोग योग्य वस्तुओं को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि एक जागरूक नागरिक के रूप में हमारा दायित्व है कि हम अपने पर्यावरण की रक्षा करें। इसके साथ ही विषय विशेषज्ञ डा. सोनू रानी, सह प्राध्यापक, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय ने विद्यार्थियों को 3आर सिद्धांत कम करना, पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण के बारे में विशेष जानकारी प्रदान की। उन्होंने उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट किया कि कैसे हम अपने दैनिक जीवन में इस सिद्धांत को अपनाकर कचरे की मात्रा को प्रभावी रूप से कम कर सकते हैं। इस अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर, बाल निलियम जूनियर हाई स्कूल एवं आदर्श राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, पन्तनगर के प्रधानाचार्य, शिक्षिकाएँ एवं अत्याधिक संख्या में छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे। सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षको ने सक्रिय रूप से कार्यक्रम में भाग लिया और विषय से संबंधित प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासा प्रकट की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरणीय चेतना का विकास करना और उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाना था। सत्र के अंत में सभी उपस्थित छात्र–छात्राओं ने ठोस कचरा प्रबंधन के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाने का संकल्प लिया।

ई. मेल चित्र सं.1. विद्यालय के छात्र–छात्राओं को जानकारी देते अधिकारी।

निदेशक संचार